GREENLAWNS HIGH SCHOOL

TERMINAL EXAMINATION (2024 - 2025)

SUBJECT : HINDI (II Language)

CLASS : X A,B,C
Date : 26 /09/2024

Marks : 80
Time : 3 hours

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 10 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper .

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two sections – Section A and Section B

Attempt all the questions from section A.

Attempt any four questions from section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same books you have studied

The intended marks for the questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION 'A' (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following Topics. [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए :

i) "खेलों से व्यक्ति का शारीरिक व मानसिक विकास होता है तथा आजकल ये आर्थिक विकास का स्रोत भी हैं। " इन बातों को ध्यान में रखते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

ii) गरीबी एक अभिशाप है। 'गरीबी हटाओ' एक नारा है। क्या नारों से गरीबी हट सकती है ? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

iii) आज विज्ञान ने बहुत प्रगति कर ली है। आज के युग में व्यक्ति को रूढ़िवादी विचारधाराओं (conservative ideology) से हटकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण (scientific approach) अपनाना चाहिए । इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

iv) अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" से आरंभ करते हुए कोई कहानी लिखिए ।

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए ।

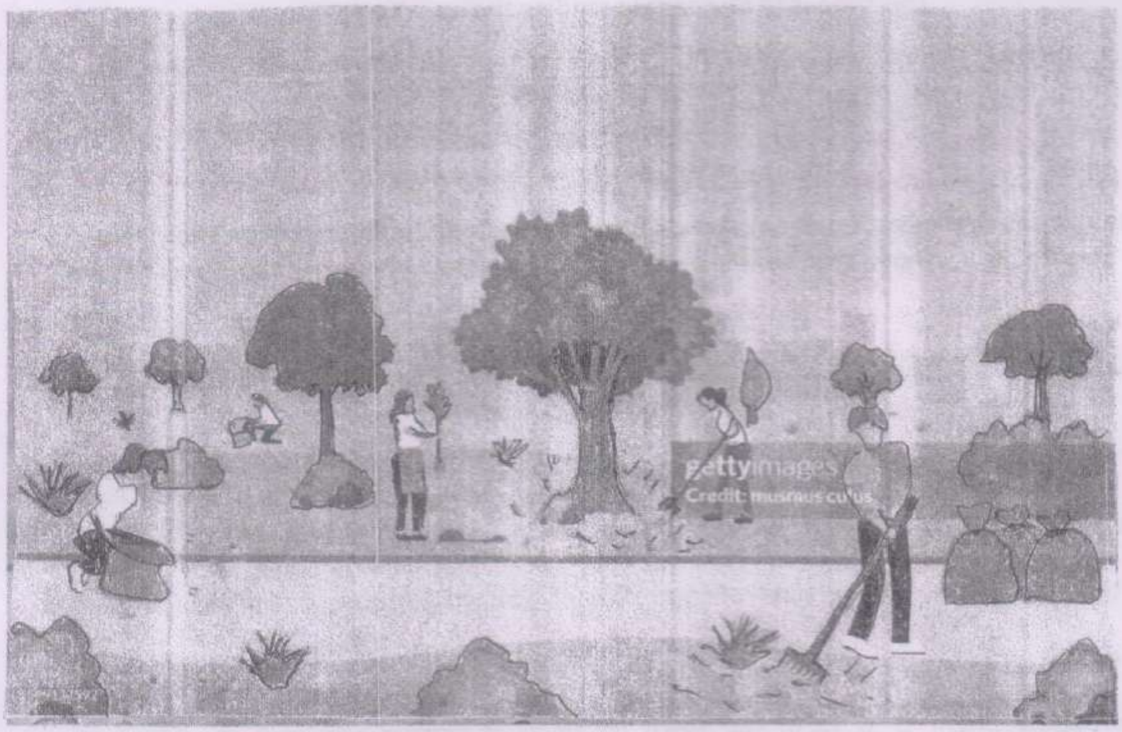

Question 2

Write a letter in hindi in approximately 120 words on any one of the following topics given below. (7)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

i) आपके मकान के आस - पास कुछ मकान बन रहे हैं । जिनका मकान निर्माण का सामान इधर - उधर बिखरा पड़ा है और आपको असुविधा होती है । नगर निगम के विभाग अधिकारी को इस बात की जानकारी देते हुए एक शिकायती पत्र लिखिए ।

ii) आपकी छोटी बहन पहली बार घर से दूर पाश्चात्य संगीत की शिक्षा के लिए विदेश जा रही है । वह परेशान और दुखी है, उसे समझाते हुए तथा प्रोत्साहित करते हुए पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in hindi the question that follow , using your own words as far as possible.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (10)

एक जंगल था। जंगल में एक विशाल स्वच्छ जल का सरोवर था। उस सरोवर में तीन मत्स्य (मछली) रहते थे। साथ में उनके पूरे परिवार, सम्बन्धी तथा मित्र थे। एक मत्स्य का नाम था अनागतविधाता, दूसरे का नाम प्रत्युत्पन्नमति और तीसरे का नाम था यद्भविष्य। नाम के समान उनमें गुण भी थे। अनागतविधाता किसी संकट या समस्या की संभावना होने पर पहले से ही उसका समाधान खोज लेता था। वह अपने विवेक और सूझ-बूझ के बल पर समस्या का कोई न कोई उपाय निकाल लेता था।

प्रत्युत्पन्नमति बड़ा बुद्धिमान था। किसी संकट या समस्या के आने पर वह घबराता न था, अपितु तत्काल उलझन से निकलने और संकट से बचने की राह निकाल लेता था। यद्भविष्य भाग्यवादी था। वह सोचता था कि जो होनी है उसे कोई रोक नहीं सकता। भाग्य के लेख को कोई मिटा नहीं सकता। फिर जो लोग भविष्य की चिंता में जलते हैं, वे मूर्ख ही हैं। इन मत्स्यों का एक मित्र मेंढक था। मेंढक का नाम था एकबुद्धि।

एक दिन तालाब पर मछुआरों का एक दल आया। सरोवर के किनारे दल ने पड़ाव डाल दिया। सबने ठंडा पानी पिया और वृक्षों की छाया में बैठकर विश्राम किया। सरोवर में उन्होंने बहुत सी मछलियों, मेंढकों और केकड़ों को उछलते-कूदते देखा। चलते समय मछुआरों के सरदार ने कहा, "इस सरोवर में बहुत बड़े-बड़े मत्स्य है, अतः कल इन्हें पकड़ने के लिए जाल लगाया जाएगा। हम देखते हैं कि इसमें बहुत से केकड़े और मेंढक भी हैं। मछलियों के साथ जो केकड़े और मेंढक जाल में फसेंगे, वे चटनी और अचार के काम आएँगे।" मछुआरों की यह बात एकबुद्धि ने सुन ली। उसने सोचा मैं तो कल प्रातःकाल ही अपने परिवार और सगे-सम्बन्धियों के साथ दूसरे तलाब में चला जाऊँगा, परन्तु क्यों न अपने पड़ोसी तथा मित्रों को भी इस भावी आपदा के बारे में सूचित कर दूँ, ताकि वे भी अपनी सुरक्षा का प्रबन्ध कर लें। मेंढक ने अपने तीनों मत्स्य-मित्रों को बुलाया और इस संकट की सूचना दी। उसने कहा, "मेरे प्यारे मित्रों। कल यह तालाब मछुआरों से घिर जाएगा। मछुआरे हमको पकड़ने के लिए आएँगे और हम लोग उनके जाल से बच नहीं पाएँगे। गेहूँ के साथ घुन को भी पिसना पड़ता है। इसलिए मित्रो! मैं तो प्रभात होते ही अपने सब सगे- सम्बन्धियों को लेकर दूसरे सरोवर में चला जाऊँगा। आप भी अपनी सुरक्षा का प्रबन्ध कर लें।"

मेंढक तो इतना कहकर चला गया। अब तीनों मत्स्य आपस में विचार करने लगे। अनागतविधाता बोला "भैया। मैं तो आज ही पानी के तल के नीचे तट के किसी खोखर में ठहर जाता हूँ, जहाँ मछुआरों का जाल पहुँच ही नहीं पाएगा।"प्रत्युत्पन्नमति ने कहा "मछुआरे कल आएँगे। जब आएँगे तुरन्त उपाय सोच लिया जाएगा। भगवान् ने बुद्धि इसीलिए तो दी है।"

यद्भविष्य ने अपना मत व्यक्त किया, "भैया! विधाता के विधान को कौन मिटा सकता है? यदि भाग्य में मरना ही लिखा है तो लाख उपाय करने पर भी बच नहीं सकते। यदि जीवन शेष है तो यमराज भी मिटा नहीं सकता। इसलिए मुझे तो व्यर्थ की चिन्ता में जलना नहीं, जो होना होगा हो जाएगा। इतना कहकर यद्भविष्य निश्चिन्त होकर मस्ती के साथ तैरने लगा।"

दिन गया रात आई। कुछ घंटों में रात भी बीत गई। प्रातः काल हुआ। सूर्योदय के पूर्व ही मछुआरे जाल लेकर सरोवर पर आ पहुँचे। उन्होंने सरोवर में अपना जाल लगा दिया। अनागतविधाता तो पहले ही सुरक्षित स्थान पर चला गया था। प्रत्युत्पन्नमति और यद्भविष्य दोनों जाल में फँस गए। प्रत्युत्पन्नमति ने तब तक अपनी रक्षा का उपाय सोच लिया था। उसने साँस रोककर हिलना-डुलना बिल्कुल बन्द कर दिया। आँखें बन्द करके सर्वथा निचेष्ट होकर ऐसे लेट गया मानो उसमें प्राण हैं ही नहीं। मछुआरों ने उसे देखा और बोले "अरे। यह तो बिल्कुल ही मर गया है।" एक मछुआरे ने उसे मरा हुआ समझकर जाल से निकालकर फेंक दिया। अब प्रत्युत्पन्नमति ऐसा उछला कि एक ही उछाल में वह सरोवर के अन्दर पहुँच गया। यद्भविष्य बेचारा पकड़ा गया। मछुआरे उसे ले गए और वह मारा गया। जो लोग भाग्य के भरोसे बैठे रहते हैं और विवेक से काम नहीं लेते, उनकी यही दशा होती है।

(i) सरोवर कहाँ था ? उसमें कौन – कौन रहते थे ? उनके क्या नाम थे ? (2)

(ii) प्रत्युत्पन्नमति और यदभविष्य की क्या विशेषता थी? (2)

(iii) मछुआरों ने क्या निर्णय लिया? उनकी बात किसने सुन ली? (2)

(iv) एकबुद्धि ने क्या निर्णय लिया? अंत में कौन पकड़ा गया और क्यों? (2)

(v) आपको इस कहानी से क्या शिक्षा मिली ? (2)

Question 4

Answer the following according to the instruction given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (8)

(i) ' दिवाकर ' का विलोम बताइए -

(a) निशाकर (b) प्रभाकर (c) भास्कर (d) दिनकर

(ii) ' हार ' का पर्यायवाची बताइए -

(a) पराभव - शिकस्त (b) त्रास - खौफ (c) मर्दन - दलन (d) पुनीत - पावन

(iii) ' देव ' का विशेषण बताइए -

(a) दैव (b) देवीयता (c) दैविक (d) देवीकता

(iv) ' लाल ' का भाववाचक संज्ञा बताइए -

(a) लालिमा (b) ललाट (c) लघिमा (d) लालत्व

(v) ' टेढ़ी खीर ' मुहावरे का अर्थ बताइए -

(a) सरल कार्य (b) साहसिक कार्य (c) कठिन कार्य (d) विस्मित कर देने वाला कार्य

(vi) ' अंतरराष्ट्रीय ' का शुद्ध रूप बताइए -

(a) अन्तराष्ट्रिय (b) अन्तर्राष्ट्रिय (c) अंतरराष्ट्रीय (d) अंतर्राष्ट्रीय

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :

चिकना फर्श होने के कारण देव गिर पड़ा ।

(वाक्य में ' चिकनाहट ' शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) फर्श की चिकनाहट के कारण देव गिर पड़ा ।

(b) देव के गिरने का कारण चिकनाहट थी ।

(c) फर्श की चिकनाहट के कारण देव फिसल गया ।

(d) देव के गिरने का कारण चिकनाहट वाला फर्श था ।

(viii) तुम्हारे आने का <u>क्रर्म</u> लगातार चल रहा है ।

(रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित शब्द का प्रयोग कीजिए)

(a) तुम्हारे आने का कार्य लगातार चल रहा है ।

(b) तुम्हारे आने का करम लगातार चल रहा है ।

(c) तुम्हारे आने की क्रिया लगातार चल रही है ।

(d) तुम्हारे आने का कर्म लगातार चल रहा है

(SECTION - B - 40 marks)

(Attempt four questions from this section)

(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions from same books.)

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए -

" दो वर्ष पहले इस शहर में आया था । तभी से मकान की तलाश में भटक रहा हूँ । "

i) श्यामलकांत जी कैसे इंसान हैं ? उनके परिवार के बारे में जानकारी दीजिए । [2]

ii) श्यामलकांत जी ने मकान न मिलने का मुख्य कारण क्या बताया है ? [2]

iii) मित्र ने जनसंख्या के बारे में क्या टिपण्णी की और क्यों ? [3]

iv) भीड़ में खोया आदमी पाठ का उद्देश्य क्या है ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए -

"भयानक शीत है। उसके पास बहुत कम .. ? यह संसार है यार, मैंने स्वार्थ की फ़िलॉसफी सुनाई। "

i) लेखक के मित्र की उदासी का कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह पहाड़ी बालक की सहायता क्यों नहीं कर सका ? [2]

ii) 'यह संसार है यार' वाक्य आजकल के मनुष्यों की किस प्रवृत्ति को बताता है? समझाइए। [2]

iii) "अपना - अपना भाग्य " कहानी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए । [3]

iv) कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए -

'मुसीबत में फँसे भेड़िये ने आखिर सियार को अपना गुरु माना और आज्ञा पालन की शपथ ली । '

i) भेड़िया किस मुसीबत में फँस गया था ? सियार ने उस मुसीबत से निकलने के लिए क्या आश्वासन दिया ? [2]

ii) बूढ़े सियार ने भेड़िया का रूप किस प्रकार बदला और क्यों ? [2]

iii) बूढ़े सियार ने तीनों सियार को किस - किस रंग में रंग कर क्या - क्या रूप दिया ? और क्यों ? [3]

iv) भेड़े और भेड़िये कहानी एक प्रतीकात्मक कहानी है कैसे ? स्पष्ट कीजिए । [3]

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए-

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए ,
बाँए से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया - दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए ।
भूख से सूख होंठ जब जाते ,
दाता - भाग्य - विधाता से क्या पाते ?
घूँट आसुओं के पीकर रह जाते ।

i) 'दो बच्चे' कौन हैं ? 'सदा हाथ फैलाए' के द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ? [2]

ii) 'दोनों बच्चे' क्या पाना चाहते हैं ? हाथ फैलाने पर उन्हें लोगों से क्या मिलता है ? स्पष्ट कीजिए । [2]

iii) 'दाता भाग्य - विधाता ' से क्या तात्पर्य है ? कवि ने उनके विषय में क्या कहा है ? [3]

iv) अर्थ लिखिए : [3]

लकुटिया , कलेजा , दया - दृष्टि , विधाता , दो टूक , औंठ

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए-

इस विशद विश्व - प्रवाह में ,
किसको नहीं बहना पड़ा ।
सुख - दुख हमारी ही तरह ,
किसको नहीं सहना पड़ा ।
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ
मुझ पर विधाता वांम है ।
चलना हमारा काम है ।

i) ' इस विशद विश्व प्रवाह में किसको नहीं बहना पड़ा,' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [2]

ii) 'विधाता वाम है ' से क्या तात्पर्य है ? किस प्रकार के लोग ऐसा कहते हैं ? [2]

iii) इन पंक्तियों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि कवि का दृष्टिकोण आशावादी है । [3]

iv) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ? [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए-

ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है ,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है ,
गंगा , यमुना, त्रिवेणी , नदियाँ लहर रही हैं ,
जगमग छटा निराली , पग - पग पर छहर रही है ।

i) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि किसके बारे में बात कर रहे हैं और क्यों ? [2]

ii) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए : [2]

नित , छटा , निराली , जगमग

iii) ' हिमालय ' तथा 'सिंधु ' शब्दों का प्रयोग कवि ने किस संदर्भ में किया है? स्पष्ट कीजिए । [3]

iv) इस कविता के द्वारा कवि ने हमें क्या संदेश दिया है ? [3]